भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4197 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

महाराष्ट्र में अंतर्देशीय जलमार्ग

†4197. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) देश में विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र के तटीय जिले पालघर सहित स्वीकृत निधियों और अन्तर्देशीय जलमार्गों का ब्यौरा क्या है और उनके पूरा होने की तिथि क्या है और उक्त क्षेत्र में जलमार्ग विकसित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
- (ख) क्या सागरमाला परियोजना में अन्तर्देशीय जलमार्गों को शामिल किया गया है; और
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और स्थिति क्या है तथा इस संबंध में निर्धारित लक्ष्यों और स्वीकृत परियोजनाओं का महाराष्ट्र सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): देश में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) के विकास के लिए 24 राज्यों में फैले 111 जलमार्गों (मौजूदा 5 और 106 नए सहित) को राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) घोषित किया गया है। सरकार द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं का विवरण, स्वीकृत निधि तथा पूर्ण होने की समय-सीमा का विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है। अनुमोदित परियोजनाओं में महाराष्ट्र के तीन राष्ट्रीय जलमार्गों नामतः रा.ज.-10 (अंबा नदी), रा.ज.-28 (दाभोल क्रीक- वशिष्टि नदी) तथा रा.ज.-53 (कल्याण नदी-ठाणे वसई क्रीक-उल्हास नदी) शामिल है। रा.ज.-53 पालघर जिले से होकर गुजरता है।

(ख) और (ग): सागरमाला, देश में पत्तन- आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की महत्वपूर्ण केन्द्रीय क्षेत्र योजना है। सागरमाला योजना के पांच स्तंभों में से एक 'तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जल परिवहन' है। 'तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जल परिवहन' के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य सहित परियोजनाओं का राज्य-वार विवरण अनुबंध-11 में दिया गया है।

अनुबंध - I

राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) परियोजना की स्वीकृत लागत एवं समय सीमा :

क्रम सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	समय-सीमा
1	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रा.ज.-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी- I और II) वाराणसी-हल्दिया जलखंड (गंगा- भागीरथी- हुगली नदी प्रणाली)	5061.15	दिसंबर, 2025
2	असम में रा.ज.- 2 (से बांग्लादेश सीमा- दुबरी से सदिया तक ब्रह्मपुत्र नदी) का व्यापक विकास	474	मार्च, 2025
4	<ul style="list-style-type: none">पांडु पत्तन टर्मिनल से एनएच- 27 तक पहुंच मार्ग का विकासपांडु, गुवाहाटी (असम) में रा.ज.- 2 पर पोत मरम्मत सुविधा का विकास	388	<ul style="list-style-type: none">मार्च, 2025मई, 2025
5	असम तथा असम में भारत- बांग्ला देश मार्ग के भारतीय हिस्से में रा.ज.- 16 (लखीपुर में बराक नदी से तुकरग्राम) का व्यापक विकास	147.79	मार्च, 2025
6	केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गोवा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और असम राज्यों में रा.ज.-16 (रा.ज.-3, 4, 5 और 13 नए राष्ट्रीय जलमार्ग) का विकास	267	मार्च, 2026

सागरमाला योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य सहित परियोजनाओं का राज्य-वार ब्यौरा

क्रम सं.	राज्य	पूरी की गई		कार्यान्वयनाधीन	
		# परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)	# परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	13	1	25
2	आंध्र प्रदेश	1	43		
3	गोवा			1	102
4	गुजरात	3	364	2	252
5	कर्नाटक			1	65
6	केरल	2	31		
7	महाराष्ट्र	13	370	7	638
8	ओडिशा			2	164
9	तमिलनाडु	2	116	3	31
10	पश्चिम बंगाल			1	15
	कुल	22	937	18	1292

इसके अतिरिक्त, अंतर्देशीय जल परिवहन अवसंरचना एवं संपर्कता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग-2 के साथ 8 छोटे टर्मिनलों और 2 स्लीपवे के विकास के लिए असम सरकार के प्रस्ताव पर पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने द्वारा 645.56 करोड़ रु. के कुल परिव्यय के साथ से सागरमाला योजना के तहत 100% वित्तीय सहायता के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति दे दी है।